गुलाल साहब की बानी

जीवन-चरित्र सहित

जिस में

उन महात्मा के अति मनोहर और भक्ति बढ़ाने वाले पद और साखियाँ शोध कर मुख्य मुख्य अंगों में रक्खी गई हैं

और गूढ़ शब्दों के अर्थ व संकेत भी नोट में लिख दिये गये हैं।

इलाहाबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्क्स में प्रकाशित हुई

सन् १९१०

२५४ सफ़हा] [दाम ॥-)॥